लघु उद्योग क्षेत्र में रुग्ण उद्योगों द्वारा निधियों का उपयोग न किया जाना

3975. **श्री राम जेठमलानी :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1992-93 के वित्तीय वर्ष की तुलना में 1993-94 के वित्तीय वर्ष के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र में रुग्ण उद्योगों की संख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ;

(ख) क्या यह सच है कि वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई भारी निधियां इन उद्योगों में अनुत्पादक रूप में पड़ी हैं ;

(ग) यदि हां, तो 1993-94 के वित्तीय वर्ष के दौरान अनुत्पादक पड़ी इन निधियों की मात्रा के बारे में क्या अनुमान है ;

(घ) क्या सरकार ने अनुत्पादक पड़ी इस धनराशि को पुनः उत्पादन कार्य में लगाने हेतु कोई प्रभावी कार्य योजना तैयार की है; और

(ङ) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक से मिली नवीनतम सूचना के अनुसार रोगी एककों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि 1990-91 की तुलना में 1991-92 के दौरान 10.9 थी । वित्तीय वर्ष 1993-94 के लिए सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(ख) और (ग) जी, हां । मार्च, 1992 के अंत तक 2,45,575 रुग्ण लघु उद्योग एककों द्वारा बैंकों को लौटाये जाने वाले ऋणों की कुल बकाया राशि 3100.68 करोड़ रुपये थी ।

(घ) और (ङ) कुल 2,45,575 रुग्ण लघु उद्योग एककों में से केवल 19,210 एकक ही पुनः चालू हो सकने की अवस्था में थे जिनमें से 13,289 एककों को पुनः चालू करने के कार्यक्रम बैंकों ने आरंभ कर दिये थे । मार्च 1992 के अंत तक 2,23,336 एकक अजीव्यक्षम पाये गये थे । और इन एककों पर बकाया ऋणों की राशि 2256.15 करोड़ रुपये थी । अजीव्यक्षम एककों को अलग-अलग मामलों पर बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा कार्यवाही स्वयं ही की जाती है ।

लघु उद्योग क्षेत्र में रुग्ण उद्योगों में बैंको द्वारा निवेशित धनराशि

3976. **श्री राम जेठमलानी :**
प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :
क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने रुग्ण औद्योगिक इकाइयों को पुनरुज्जीवित करने के लिए कार्यान्वीत किये गये उपायों से मिले नतिजों की समीक्षा की है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में की गई समीक्षा का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार मार्च, 1992 के अन्त तक 2,455,75 लघु उद्योग एकक रुग्ण पाये गये थे जिनमें से 19,210 एकक जीव्यक्षम थे और इनमें से 13,289 एक कों को पुनः चलाने के कार्यक्रम शुरू कर दिये गये हैं ।

सरकारी क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों में किये गये पूंजी निवेश में वृद्धि

3977. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :**
श्री राम जेठमलानी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र में संचालित औद्योगिक इकाइयों में सरकार द्वारा 31 मार्च, 1990 की तुलना में 31 मार्च, 1993 तक किये गये पूंजी निवेश की कुल मात्रा में वृद्धि की गई है;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1990 तथा मार्च, 1993 में किये गये पूंजी निवेश की कुल राशि कितनी-कितनी थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन उद्योगों में पूंजी निवेश की मात्रा बढ़ाये जाने के बावजूद इन उद्योगों को लाभकारी नहीं बनाया जा सका है ;

(घ) यदि नहीं, तो तत्सम्बन्धी जानकारी क्या है तथा मार्च, 1990 और मार्च, 1991 में अलग-अलग कुल कितनी कितनी आर्थिक हानि हुई;

(ङ) क्या सरकार द्वारा पूंजी निवेश बढ़ाने के बावजूद उद्योगों को लाभकारी न बना पाने के अन्य कारणों की जानकारी प्राप्त की गई है ; और

(च) यदि हां, तो ये कारण क्या-क्या हैं तथा इस सम्बन्ध में सुधार लाने के इन कारणों को दूर करने के तुरन्त क्या-क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जी, हां ।

(ख) 31 मार्च, 1990 तथा 31 मार्च, 1993 तक की स्थिति के अनुसार केन्द्रीय सरकारी उद्यमों में सामान्य शेयर पूंजी एवं ऋण के रूप में क्रमशः 99,329 करोड़ तथा 1,46,971 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया गया था ।